ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर कौशल परिषद द्वारा कुशल भारत मिशन के तहत 1.30 लाख से अधिक छात्रों को योग अनुदेशकों, प्रशिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित किया गया

• कुशल भारत मिशन के तहत लघु अवधि के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए पहली बार "दीक्षांत समारोह" में बी एंड डब्ल्यूएसएससी छात्रों का अभिनंदन।

नई दिल्ली, 21 जून, 2022: कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में काम कर रहे ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर स्किल काउंसिल (बी एंड डब्ल्यूएसएससी) ने समग्र कल्याण के लिए योग को बढ़ावा देने हेतु 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का विषय था **'योग को हां और रोग को कहो न '** और इसके बाद स्किल इंडिया मिशन के तहत बी एंड डब्ल्यूएसएससी के अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों से पास होने वाले छात्रों के लिए अपनी तरह का पहला "दीक्षांत समारोह" आयोजित किया गया।

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि योग हाल के दिनों में दुनिया भर में सबसे बड़े जन आंदोलनों में से एक के रूप में उभरा है और योग से शांति केवल व्यक्तियों के लिए नहीं है बल्कि हमारे पूरे समाज के लिए है। इस दृष्टिकोण के अनुरूप एमएसडीई योग के क्षेत्र में विभिन्न करियर संभावनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने और युवाओं को एक आशाजनक भविष्य के लिए उन्हें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बी एंड डब्ल्यूएसएससी के साथ मिलकर काम कर रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य अतिथि श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, एमएसडीई ने कहा, “योग दुनिया को भारत का उपहार है। हमारी प्राचीन वैदिक परंपराओं की जड़ों के साथ, योग आपके आंतरिक और बाहरी सौंदर्य को विकसित करने का एक समग्र तरीका है। इस दीक्षांत समारोह और प्रमाण-पत्रों को देखकर वास्तव में बहुत खुशी हो रही है, जो प्रशिक्षकों के लिए गर्व की बात है, जिनमें से कुछ की आयु 60 से अधिक है और इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि ज्ञान साझा करने की कोई उम्र नहीं होती है। जैसा कि हम कोविड-19 महामारी के हानिकारक प्रभाव से उभरे हैं, मुझे प्रमाणित योग अनुदेशकों और प्रशिक्षकों की मांग में वृद्धि के साथ संभावित कार्यबल के कौशल सेट में वृद्धि की तत्काल आवश्यकता है। मैं माननीय प्रधान मंत्री के निर्देशों

के अनुसार दीक्षांत समारोह आयोजित करने वाले हमारे इकोसिस्टम में पहली बार एसएससी बनने के लिए बी एंड डब्ल्यूएसएससी को भी बधाई देता हूं।"

बी एंड डब्ल्यूएसएससी योग के लिए तीन विशिष्ट पाठ्यक्रम प्रदान करता है - योग अनुदेशक (बी एंड डब्ल्यू) एनएसक्यूएफ 4, योग प्रशिक्षक (बी एंड डब्ल्यू) एनएसक्यूएफ 5 और वरिष्ठ योग प्रशिक्षक (बी एंड डब्ल्यू) एनएसक्यूएफ 6. आर्ट ऑफ लिविंग। योग संस्थान और पतंजलि जैसी संस्थाएं क्षेत्र कौशल परिषद के साथ जुड़ी हुई हैं और इसकी सफलता में योगदान दिया है।

बी एंड डब्ल्यूएसएससी - एमएसडीई की नोडल एजेंसी - राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा स्थापित स्वायत्त उद्योग नीत वाले निकायों में से एक है जो प्रासंगिक सामग्री और पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, सूचना डेटाबेस और वितरण प्रणाली के माध्यम से सौंदर्य और कल्याण उद्योग में कौशल विकसित करने और प्रदान करने के लिए एक प्रभावी और कुशल इकोसिस्टम स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए है । अपनी स्थापना के बाद से परिषद ने कई जॉब रोल्स सृजित करके और विश्व स्तर पर भारतीय कार्यबल की रोजगार क्षमता को बढ़ाकर इस क्षेत्र को व्यवस्थित करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री. के.के. द्विवेदी, संयुक्त सचिव, एमएसडीई ने कहा, "युवाओं को योग के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने में मदद करने के लिए स्किल इंडिया के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, देश भर में पिछले आठ वर्षों में 1.30 लाख से अधिक छात्रों को योग अनुदेशकों और प्रशिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। उन्हें विभिन्न कौशल पहलों, मुख्य रूप से पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल), अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) और बी एंड डब्ल्यूएसएससी द्वारा विशेष परियोजनाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, मंत्रालय के प्रयासों से, योग भारत के कोने-कोने में पहुंच गया है, जिससे लोगों को न केवल शारीरिक बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी लाभ हुआ है।

आज देश भर के लोग हमारे स्किल इंडिया प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से योग सीख रहे हैं और इसे करियर विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

बी एंड डब्ल्यूएसएससी के अनुसार, सबसे अधिक कुशल योग छात्रों वाले राज्य उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, हरियाणा, ओडिशा, केरल और पश्चिम बंगाल हैं। क्षेत्र कौशल परिषद में कक्षा XI और XII से शुरू होने वाले सीबीएसई स्कूलों के लिए योग में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम भी हैं।

इससे पहले, बी एंड डब्ल्यूएसएससी ने योग में भारतीय युवाओं के कौशल के लिए सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आर्ट ऑफ लिविंग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। डॉ ब्लॉसम कोचर, चेयरपर्सन-बी एंड डब्ल्यूएसएससी ने सभी उत्तीर्ण छात्रों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के बारे में

एमएसडीई का गठन 9 नवंबर 2014 को भारत सरकार द्वारा कौशल की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से, एमएसडीई ने नीति, रूपरेखा और मानकों को औपचारिक रूप देने, नए कार्यक्रमों और स्कीमों का शुभारंभ; नए बुनियादी ढांचे का निर्माण और मौजूदा संस्थानों का उन्नयन; राज्यों के साथ भागीदारी; उद्योगों से जुड़ाव और कौशल के लिए सामाजिक स्वीकृति और आकांक्षाओं का निर्माण करने के संदर्भ में महत्वपूर्ण पहल और सुधार किए हैं। मंत्रालय का उद्देश्य न केवल मौजूदा नौकरियों के लिए बल्कि सृजित नौकरियों के लिए भी नए कौशल और नवाचार का निर्माण करने के लिए कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतराल को कम करना है। स्किल इंडिया के तहत अब तक 5.5 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर स्किल काउंसिल (बी एंड डब्ल्यूएसएससी) के बारे में

बी एंड डब्ल्यूएसएससी, सीआईआई द्वारा प्रवर्तित कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम से वित्तीय सहायता प्राप्त, एक लाभकारी संगठन नहीं है। एसएससी का उद्देश्य प्रासंगिक सामग्री और पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम, सूचना डेटाबेस, वितरण प्रणाली और मान्यता और प्रमाणन प्रक्रिया के मानकीकरण के माध्यम से सौंदर्य और कल्याण उद्योग में कौशल विकसित करने और प्रदान करने, विश्व स्तर पर भारतीय कार्यबल की रोजगार क्षमता में वृद्धि करने के लिए एक प्रभावी और कुशल इकोसिस्टम स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करना है। पिछले सात वर्षों में, एसएससी ने 28 राज्यों और 8 संघ राज्य क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए तेजी से वृद्धि की है, 8 लाख से अधिक युवाओं को

प्रशिक्षण और प्रमाणित किया है और उन्हें रोजगार योग्य और स्वरोजगार योग्य बनाया है, जो भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त ब्यूटी एंड वेलनेस में उच्चतम स्तर से प्रमाणन निकाय (सेक्टर स्किल काउंसिल) के प्रमाण पत्र के साथ सशक्त है।